12.23 hrs.

DEMANDS FOR EXCESS GRANTS (GENERAL), 1978-79.

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI R. VENKATARAMAN): I beg to present a statement (Hindi and English versions) showing Demands for Excess grants in respect of the Budget (General) for 1978-79.

This is in respect of Excess Grants which have been certified by the public Accounts Committee and there is no debate on this because it has been approved and therefore it may be taken as moved.

MR. SPEAKER: Now Matters under Rule 377.

12.25 hrs.

MATTERS UNDER RULE 377

(i) Payment of arrears to farmers by sugar factories of Jawra and Mahendrapur road in Madhya Pradesh

श्री सत्यनारायण जटिया (उज्जैन) : अध्यक्ष महोदय, मध्य प्रदेश के जवरा तथा माहेदपुर रोड के शक्कर कारखानों ने किसानों को उनके गन्ने की बकाया राशि का भुगतान नहीं किया है तथा मिल की ओर कर्मचारियों का पिछला वेतन और भत्ते बाकी हैं । सरकार ने जब मिलों का अधिग्रहण किया था तब यह घोषणा की थी कि किसानों को उनके गन्ने की बकाया राशि का इसी वर्ष भुगतान किया जायेगा, किन्तु अब शक्कर कारखानों ने उत्पादन बंद कर दिया है । क्षेत्र में खांडसारी मिलें चालू हैं । अब भी किसान के खेतों में गन्ना खड़ा है। प्रदेश में सभी शक्कर कारखानों पर गन्ने की खरीद का भाव एक सामान नहीं है । बरलोई के सहकारी शक्कर कारखानों ने गन्ने की अधिक कीमत का भुगतान किया है जबकि अन्य कारखानों पर भाव कम दिये गये हैं । किसानों को उपयुक्त मूल्य देकर करखाने 15 दिन और चलाये जा सकते हैं और उत्पादन बढ़ाया जा सकता है ।

अतएव मेरा केन्द्र सरकार से आग्रह है कि किसानों की बकाया राशि का ब्याज सहित भुगतान शीघ्र किया जाये तथा कर्मचारियों को उनका पिछला वेतन और भत्ते का भुगतान करने की व्यवस्था करें ।

(ii) Shortage of postal articles in West Bengal.

SHRI SATYAGOPAL MISRA (Tamluk): Sir, people of West Bengal are facing great difficulties due to the acute shortage of postal material like stamps, post-cards, inland letters, envelopes etc. for quite sometime. People have to move here and there in search of postal material . Employees in-charge of selling the postal material in the different post offices also face people's grievances caused by the non-availability of the postal mattrials. Several representations have already been made to the concerned authorities but without any result.

I, therefore, urge upon the Government to ensure adequate supply of postal material without any further delay.

(iii) NEED TO SET UP SMALL SCALE INDUSTRIES IN HILLY AND BACKWARD AREAS OF MAHARASHTRA

श्रीमती उषा प्रकाश चौधरी (अमरावती): अध्यक्ष महोदय, आज तक जो लघु उद्योग तथा इंडस्ट्रीज खोली गयी हैं, वे मूल्य रूप से पहाड़ी और पिछड़े इलाकों में नहीं है जबकि इन क्षेत्रों में वाणिज्यिक उपयोग के लिये कच्चा माल बहुत अधिक मात्रा में उपलब्ध है । इस समय यह सामान बाहर भेजा जा रहा है और इसके उन क्षेत्रों का आर्थिक विकास हो हो पा रहा है तथा स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिल पा रहा है । उदाहरण के तौर पर महाराष्ट्र के तौर पर महाराष्ट्र के पेलघाट जैसे कई पिछड़े इलाकों से "तिखाड़ी" घास, जिसके सौंदर्य प्रसाधनों के लिए सुगंधित तेल निकाला जाता है तथा माचिस और लकड़ी की अन्य बहुत सी वस्तुएं बनाने में काम आने वाली "सलाई" और अन्य किस्म की लकड़ी बाहर भेजी जाती है । यदि इन क्षेत्रों में उपलब्ध होने वाले सामान के उपयोग के लिए इन्हीं क्षेत्रों में व्यवसायिक प्रशिक्षण संस्थाओं